प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय के नव-प्रवेशित विद्यार्थियों का अभिनवीकरण कार्यक्रम सम्पन्न

पंतनगर। 31 अगस्त, 2018। पंतनगर विश्वविद्यालय के गाँधी हाल में कल सायं विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में प्रवेश पाये नये विद्यार्थियों का संयुक्त अभिनवीकरण (ओरिएन्टेशन) कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा थे। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के विद्यार्थी कल्याण विभाग द्वारा किया गया।

कुलपति, प्रो. मिश्रा, ने नवागंतुक विद्यार्थियों से कहा कि वे 10 हजार विद्यार्थियों की प्रतियोगिता में से चुनकर आये हैं, लेकिन अब उनकी प्रतियोगिता चुने हुए उत्कृष्ट विद्यार्थियों से है तथा अपने आपको उत्कृष्ट सिद्ध करना है। उन्होंने कहा कि विषय ज्यादा मायने नहीं रखता किन्तु जिस भी विषय में प्रवेश मिला है उसमें मेहनत करते हुए अपने आपको सर्वश्रेष्ठ बनाना है। कुलपति ने विश्वविद्यालय की स्थापना के समय खाद्यान्न की कमी की चुनौती के बारे में बताते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय के प्रयासों से देश आज खाद्यान्न उत्पादन में न केवल आत्मनिर्भर है, अपितु खाद्यान्न का निर्यात भी कर रहा है। विश्वविद्यालय को मिले विभिन्न अवार्ड एवं सम्मानों की चर्चा करते हुए उन्होंने नये विद्यार्थियों से कहा कि विश्वविद्यालय के सम्मान को बनाये रखने की जिम्मेदारी अब उनकी है। प्रो. मिश्रा ने विद्यार्थियों द्वारा पंतनगर में प्रवेश लेने का निर्णय करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया तथा कई नई अच्छी आदतें सीखने व पुरानी बुरी आदतों को भूलने के लिए भी उन्होंने कहा।

इस अवसर पर कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा, ने नव-प्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए सभी महाविद्यालयों, विभागों के शिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यक्रमों के बारे में बताया तथा अन्य सहायक कार्यालयों की जानकारी दी। उन्होंने अब तक विश्वविद्यालय द्वारा लगभग ३७,००० उपाधि प्रदान किये जाने के बारे में भी बताया।

अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय, डा. जी.के. सिंह, ने शैक्षणिक परिनियमों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, डा. जे. कुमार, ने स्नातक व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की परामर्श-पद्धति के बारे में बताया। विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं की सह-शिक्षा को अधिष्ठात्री, गृह विज्ञान महाविद्यालय, डा. रीता सिंह रघुवंशी ने विस्तारपूर्वक समझाया, जबकि विद्यार्थियों के व्यवहार एवं अनुशासन के बारे में अधिष्ठाता, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, डा. आई. जे.सिंह, ने जानकारी दी। अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण, डा. आर.एस. जादौन, ने पराशैक्षिक गतिविधियों तथा छात्रावासों से सम्बन्धित नियम-परिनियमों की जानकारी दी। विश्वविद्यालय छात्रावास जीवन के बारे में अधिष्ठाता, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, डा. एच.सी. शर्मा, ने बताया तो परास्नातक शिक्षा की विशेषताओं की जानकारी अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डा. जे.पी. पाण्डे, ने दी। 'व्यक्तित्व विकास एवं सॉफ्ट स्किल विद्यार्थियो की सफलता की कुंजी' विषय पर अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, डा. देवेन्द्र कुमार, ने संबोधित किया तथा 'मूलभूत विज्ञान का कृषि व उससे संबंधित विषयों में महत्व' के बारे में अधिष्ठाता, विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, डा. ए.के. शुक्ला, ने बताया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए अपर अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण, डा. ज्योति प्रसाद, ने प्रारम्भ में सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया तथा अंत में अपर अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण, डा. जे.एल. सिंह, ने कुलपति, कुलसचिव, अधिष्ठाताओं व उपस्थितजनों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में अपर निदेशक, प्रशासन एवं अनुश्रवण, डा. ए.के. कर्नाटक; परिसम्पत्ति अधिकारी, डा. एच.एल. मंडोरिया, के अतिरिक्त विभिन्न छात्रावासों के छात्रावास अभिरक्षक, सहायक छात्रावास अभिरक्षक तथा नए विद्यार्थी उपस्थित थे।

अभिनवीकरण कार्यक्रम में नये विद्यार्थियों को सम्बोधित करते कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा एवं मंचासीन सभी अधिष्ठाता व कुलसचिव (१) तथा उपस्थित विद्यार्थी (२)।

(नरेश कुमार)
समाचार समन्वयक